

॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

॥ ध्यानम् ॥

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
 या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
 या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता
 सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥

॥ स्तोत्रम् ॥

सरस्वती महाभद्रा महामाया वरप्रदा।
 श्रीप्रदा पद्मनिलया पद्माक्षी पद्मवक्रका ॥ १ ॥
 शिवानुजा पुस्तकभृज्ज्ञानमुद्रा रमा परा।
 कामरूपा महाविद्या महापातकनाशिनी ॥ २ ॥
 महाश्रया मालिनी च महाभोगा महाभुजा।
 महाभागा महोत्साहा दिव्याङ्गा सुरवन्दिता ॥ ३ ॥
 महाकाली महापाशा महाकारा महाङ्कुशा।
 पीता च विमला विश्वा विद्युन्माला च वैष्णवी ॥ ४ ॥
 चन्द्रिका चन्द्रवदना चन्द्रलेखविभूषिता।
 सावित्री सुरसा देवी दिव्यालङ्कारभूषिता ॥ ५ ॥
 वाग्देवी वसुदा तीव्रा महाभद्रा महाबला।
 भोगदा भारती भामा गोविन्दा गोमती शिवा ॥ ६ ॥
 जटिला विन्ध्यवासा च विन्ध्याचलविराजिता।
 चण्डिका वैष्णवी ब्राह्मी ब्रह्मज्ञानैकसाधना ॥ ७ ॥
 सौदामिनी सुधामूर्तिः सुभद्रा सुरपूजिता।
 सुवासिनी सुनासा च विनिद्रा पद्मलोचना ॥ ८ ॥
 विद्यारूपा विशालाक्षी ब्रह्मजाया महाफला।
 त्रयीमूर्ती त्रिकालज्ञा त्रिगुणा शास्त्ररूपिणी ॥ ९ ॥
 शुम्भासुरप्रमथिनी शुभदा च स्वरात्मिका।
 रक्तबीजनिहन्त्री च चामुण्डा चाम्बिका तथा ॥ १० ॥
 मुण्डकायप्रहरणा धूम्रलोचनमर्दना।
 सर्वदेवस्तुता सौम्या सुरासुरनमस्कृता ॥ ११ ॥

कालरात्रिः कलाधारा रूपसौभाग्यदायिनी।
 वाग्देवी च वरारोहा वाराही वारिजासना ॥ १२ ॥
 चित्राम्बरा चित्रगन्धा चित्रमाल्यविभूषिता।
 कान्ता कामप्रदा वन्द्या विद्याधरसुपूजिता ॥ १३ ॥
 श्वेतानना नीलभुजा चतुर्वर्गफलप्रदा।
 चतुराननसाम्राज्या रक्तमध्या निरञ्जना ॥ १४ ॥
 हंसासना नीलजङ्घा ब्रह्मविष्णुशिवात्मिका।
 एवं सरस्वतीदेव्या नाम्नामष्टोत्तरं शतम् ॥ १५ ॥
 ॥ इति श्री-सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:
http://stotrasamhita.net/wiki/Saraswati_Ashtottara_Shatanama_Stotram.

 generated on **February 28, 2025**

Downloaded from  <http://stotrasamhita.github.io> |  StotraSamhita | Credits